



महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी

विद्यापीठाने निर्मिती केलेले सुधारित व संकरीत वाणाबद्दल सर्व समावेशक व सविस्तर माहिती

चारा पिकाचे सुधारीत व संकरीत वाण

बाजरी – जायंट बाजरी



| | |
|---------------------------------|--|
| प्रसारीत वर्ष | १९८० |
| संशोधन केंद्राचे नांव | महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ राहुरी |
| जमिन | मध्यम ते भारी, उत्तम निच-याची |
| हवामान | खरीप व उन्हाळी हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | खरीप हंगाम : जुन ते जुलै, उन्हाळी हंगाम : फेब्रुवारी ते मार्च |
| प्रती एकर बियाणे | ४ किलो |
| पिकाचा कालावधी | पहिली कापणी : पेरणी नंतर ५० ते ५५ दिवसांनी दुसरी कापणी : पहिल्या कापणी नंतर ४० ते ४५ दिवसांनी |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : ४५०-५०० किवं/हेक्टर |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | उंच ताट (२५० ते ३०० सें.मी) व भरपुर फुटवे, पाने जास्त पालेदार, खोड रसदार, ८ ते ९ % प्रथिने |
| विशेष उपलब्धी | दोन कापण्या घेता येतात |

मका – आफ्रिकन टॉल



| | |
|---------------------------------|---|
| प्रसारीत वर्ष | १९८२ |
| संशोधन केंद्राचे नांव | महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ राहुरी |
| जमिन | मध्यम ते भारी, उत्तम निच-याची |
| हवामान | खरीप, रब्बी व उन्हाळी हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | खरीप हंगाम : जुन ते जुलै, रब्बी हंगाम : ऑक्टोबर ते नोव्हेंबर, उन्हाळी हंगाम : फेब्रुवारी ते मार्च |
| प्रती एकर बियाणे | ३० किलो |
| पिकाचा कालावधी | ७० ते ७५ दिवस (चा-यासाठी) |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : ६००-७०० किवं/हेक्टर |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | उंच ताट (२५५ ते २६५ सें.मी), जोमदार, अधिक पाने, पाने लांब, रुंद, गर्द हिरवी, खोड जाड, रसदार व बुंदयाला जांभळा रंग, कणीस मोठे, लांब व दंड गोलाकार, पांढरे व टपोरे दाणे, प्रथिने ९ ते ११ टक्के |



महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी

विद्यापीठाने निर्मिती केलेले सुधारित व संकरीत वाणाबद्दल सर्व समावेशक व सविस्तर माहिती

ज्वारी – रुचिरा



| | |
|---------------------------------|---|
| प्रसारीत वर्ष | १९८२ |
| संशोधन केंद्राचे नाव | महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ राहुरी |
| जमिन | मध्यम ते भारी, उत्तम निच-याची |
| हवामान | खरीप, रब्बी व उन्हाळी हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | खरीप हंगाम : जुन ते जुलै, रब्बी हंगाम : १५ सप्टेंबर ते १५ ऑक्टोबर, उन्हाळी हंगाम : फेब्रुवारी ते मार्च |
| प्रती एकर बियाणे | १६ किलो |
| पिकाचा कालावधी | ६५ ते ७० दिवस (चा-यासाठी) |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : ५००-५५० किंवं/हेक्टर |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | जास्त उत्पादन व मध्यम उंच वाढणारा, हिरवा चारा जनावरे आवडीने खातात, चवदार, रसदार खोड, उत्तम प्रतीचा कडबा, मुरघासासाठी उत्तम ८ ते १०% प्रथिने |
| विशेष उपलब्धी | दोन कापण्या घेता येतात |

चारासाठी ज्वारी – फुले अमृता (आरएसएसक्षी-९)



| | |
|---------------------------------|---|
| प्रसारीत वर्ष | २००३ |
| संशोधन केंद्राचे नाव | महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी |
| जमिन | मध्यम व भारी जमिन |
| हवामान | खरिप हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | १५ जुन ते ७ जुलै |
| प्रती एकर बियाणे | १२ किलो प्रती एकरी |
| पिकाचा कालावधी | ७६ ते ८० (दिवस) |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : ४०-५० |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | नॉन टॅन पिर्मेंट, एक कापणी करीता उपयुक्त वाण, खोडमाशीस प्रतिकारक्षम, पानांवरील रोगास प्रतिकारक्षम |
| विशेष उपलब्धी | खते, पाण्यास उत्तम प्रतिसाद देणारा, एक कापणीसाठी चारा |



महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी

विद्यापीठाने निर्मिती केलेले सुधारित व संकरीत वाणाबद्दल सर्व समावेशक व सविस्तर माहिती

चवळी – श्वेता

| | | |
|---------------------------------|--|------------------------------------|
| | प्रसारीत वर्ष | १९८६ |
| | संशोधन केंद्राचे नाव | महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ राहुरी |
| | जमिन | हलकी ते मध्यम, उत्तम निच-याची |
| | हवामान | खरीप व उन्हाळी हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | खरीप हंगाम : जुन ते जुलै उन्हाळी हंगाम : फेब्रुवारी ते मार्च | |
| प्रती एकर बियाणे | १६ किलो | |
| पिकाचा कालावधी | ६५ ते ७० दिवस (चा-यासाठी) | |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : २५०-३०० किंवं/हेक्टर | |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | जास्त उत्पादन व जास्त पालेदार, पिक फुलो-यात व शेंगामध्ये असतानाही हिरव्या पाल्याची गुणवंता चांगली राहते, ९३ ते ९५% प्रथिने | |

बाजरा – नेपियर संकरीत वाण – यशवंत

| | | |
|---------------------------------|--|--|
| | प्रसारीत वर्ष | १९८७ |
| | संशोधन केंद्राचे नाव | गवत संशोधन योजना, मफुकृवि, राहुरी |
| | जमिन | मध्यम ते भारी, उत्तम निच-याची, पी.एच. ६.५ ते ८.५ |
| | हवामान | खरीप व उन्हाळी हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | खरीप हंगाम : जुन ते ऑगस्ट, उन्हाळी हंगाम : फेब्रुवारी ते मार्च, लागवड आंतर : ९०-६० सें.मी. सरी वरंबा | |
| प्रती एकर बियाणे | ठोंबे : ७४००/एकरी | |
| पिकाचा कालावधी | बहुवर्षीक (३ वर्ष) पहिली कापणी लागवडी नंतर ६० ते ७० दिवसानी व त्या नंतरच्या कापण्या ४५ ते ५० दिवसांच्या आंतराने कराव्यात. | |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : ३६०-४०० किंवं/एकर/वर्ष (६ ते ८ कापण्या) | |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | हिरवीगार, रुंद पाने, भरपुर फुटवे, प्रथिने : ९०.६३%, पचनीयता ६३.६५%, कमी ऑकझॅलीक आम्ल : २.४६ | |
| विशेष उपलब्धी | महाराष्ट्रातील बागायत भागसाठी शिफारस | |



महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी

विद्यापीठाने निर्मिती केलेले सुधारित व संकरीत वाणाबद्दल सर्व समावेशक व सविस्तर माहिती

लसुण घास – आर.एल.-८८



| | |
|---------------------------------|---|
| प्रसारीत वर्ष | १९९५ |
| संशोधन केंद्राचे नांव | महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ राहुरी |
| जमिन | मध्यम ते भारी, उत्तम निच-याची |
| हवामान | रब्बी हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | रब्बी हंगाम : ऑक्टोबर ते नोव्हेंबर |
| प्रती एकर बियाणे | १० किलो |
| पिकाचा कालावधी | बहुवार्षिक (तीन वर्ष) |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : १०००-१२०० किंवं/हेक्टर |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | जास्त उत्पादन, जलद पुनर्वाढ व जोमदार पीक, रुंद पाने, मुख्य फुटव्याच्या जमिनीकडील भागावर लालसर छटा, प्रत्येक वर्षाच्या शेवटी झाडांची जास्त संख्या, २० ते २२% प्रथिने |
| विशेष उपलब्धी | बहुवार्षिक वाण |

स्टॉयलो – फुले क्रांती



| | |
|---------------------------------|---|
| प्रसारीत वर्ष | २००५ |
| संशोधन केंद्राचे नांव | गवत संशोधन योजना, मफुकृवि, राहुरी |
| जमिन | हलकी ते मध्यम |
| हवामान | खरीप |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | खरीप हंगाम : जुन ते जुलै लागवड आंतर : दोन ओळीमध्ये ३० सें.मी. अंतर ठेऊन पेरणी करावी. बियाणे मातीने झाकू नये. |
| प्रती एकर बियाणे | ४ किलो/एकर |
| पिकाचा कालावधी | बहुवार्षिक (३ वर्ष) ५०% पिक फुलो-यात असतांना कापणी करावी |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : १००-१२० किंवं/एकर/वर्ष (२ ते ३ कापण्या) |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | पहिल्या वर्षी चांगली उगवन क्षमता, अधिक प्रथिने : १३-१४ %, कमी हेमीसेलुलोज : १०.१७%, कमी सिलीका : ०.५१% |
| विशेष उपलब्धी | पश्चिम महाराष्ट्रातील जिरायत भागासाठी प्रसारीत शिफारस |



महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी

विद्यापीठाने निर्मिती केलेले सुधारित व संकरीत वाणाबद्दल सर्व समावेशक व सविस्तर माहिती

ओट - फुले हरिता



| | |
|---------------------------------|---|
| प्रसारीत वर्ष | २००६ |
| संशोधन केंद्राचे नांव | महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ राहुरी |
| जमिन | मध्यम ते भारी, उत्तम निच-याची |
| हवामान | रब्बी हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | रब्बी हंगाम : ऑक्टोबर ते नोव्हेंबर |
| प्रती एकर बियाणे | ४० किलो |
| पिकाचा कालावधी | पहिली कापणी : पेरणी नंतर ५० दिवसांनी दुसरी कापणी : पहिल्या कापणी नंतर ३५ ते ४० दिवसानी |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : ५००-६०० किंवं/हेक्टर (दोन कापण्या) |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | जास्त उत्पादन, भरपुर फुटवे व उंच वाढणारा, रुंद हिरवेगार पाने, जाड खोड, ९ ते १०% प्रथिने |
| विशेष उपलब्धी | दोन कापण्यासाठी उपयुक्त |

बाजरा – नेपियर संकरीत वाण - फुले जयवंत



| | |
|---------------------------------|--|
| प्रसारीत वर्ष | २००६ राज्य, २००९ केंद्र |
| संशोधन केंद्राचे नांव | गवत संशोधान योजना, मफुकृवि, राहुरी |
| जमिन | मध्यम ते भारी, उत्तम निच-याची, पी.एच. ६.५ ते ८.५ |
| हवामान | खरीप व उन्हाळी हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | खरीप हंगाम : जुन ते ऑगस्ट, उन्हाळी हंगाम : फेब्रुवारी ते मार्च लागवड आंतर : ९०-६० सें.मी. सरी वरंबा |
| प्रती एकर बियाणे | ठोंबे : ७४००/एकरी |
| पिकाचा कालावधी | बहुवर्षीक (३ वर्ष) पहिली कापणी लागवडी नंतर ६० ते ७० दिवसानी व त्या नंतरच्या कापण्या ४५ ते ५० दिवसांच्या आंतराने कराव्यात. |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : ४००-५०० किंवं/एकर/वर्ष (६ ते ८ कापण्या) |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | हिरवीगार, रुंद खाली वाकलेली पाने, भरपुर फुटवे, प्रथिने : ९०-९१%, कमी ऑकझॅलीक आम्ल : १.९१%, पचनीयता : ६१ ते ६२% |
| विशेष उपलब्धी | भारतातील मध्य व दक्षिण विभागासाठी प्रसारीत |



महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी

विद्यापीठाने निर्मिती केलेले सुधारित व संकरीत वाणाबद्दल सर्व समावेशक व सविस्तर माहिती

मारवेल (जिरायत) – फुले मारवेल ०६-४०

| | |
|---|---|
|  | प्रसारीत वर्ष २०१२ संशोधन केंद्राचे नांव गवत संशोधन योजना, मफुकृवि, राहुरी जमिन हलकी ते मध्यीम हवामान खरीप हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | खरीप हंगाम : जुन ते ऑगस्ट लागवड आंतर : ४५ ३० सें.मी. सरी वरंबा |
| प्रती एकर बियाणे | ठोंबे : ३०,०००/एकरी |
| पिकाचा कालावधी | बहुवर्षीक ५०% पिक फुलो-यात असतांना कापणी करावी |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : १४०-१६० किंवं/एकर/वर्ष (२ ते ३ कापण्या) |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | पावसाळी हगांमा मध्ये अधिक हिरव्या चा-याचे उत्पादन, प्रथिने : ६-७ %, पचनीयता : ६१ ते ६२% |
| विशेष उपलब्धी | महाराष्ट्रातील जिरायत भागतील कुरण विकासासाठी शिफारस |

मारवेल – फुले गोवर्धन

| | |
|---|---|
|  | प्रसारीत वर्ष २०१३ संशोधन केंद्राचे नांव गवत संशोधन योजना, मफुकृवि, राहुरी जमिन मध्यम ते भारी, उत्तम निच-याची, पी.एच. ६.५ ते ८.५ हवामान खरीप व उन्हाळी हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | खरीप हंगाम : जुन ते ऑगस्ट, उन्हाळी हंगाम : फेब्रुवारी ते मार्च लागवड आंतर : ४५ ३० सें.मी. सरी वरंबा |
| प्रती एकर बियाणे | ठोंबे : ३०,००० दोन डोळ्याच्या कांडया/एकर |
| पिकाचा कालावधी | बहुवर्षीक (२ ते ३ वर्ष) पहिली कापणी लागवडी नंतर ५० ते ६० दिवसानी व नंतरच्या कापण्या ४५ ते ५० दिवसांच्या आंतराने. |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : २५०-३०० किंवं/एकर/वर्ष (६ ते ८ कापण्या) |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | बागायत भागसाठी अधिक उत्पन्न देणारा वाण, प्रथिने : ६-७ %, पचनीयता : ६१%, शर्करा : ७.५% |
| विशेष उपलब्धी | महाराष्ट्रातील बागायत भागसाठी शिफारस |



महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी

विद्यापीठाने निर्मिती केलेले सुधारित व संकरीत वाणाबद्दल सर्व समावेशक व सविस्तर माहिती

बाजरा-नेपियर संकरीत वाण - फुले गुणवंत



| | |
|---------------------------------|---|
| प्रसारीत वर्ष | २०१६ |
| संशोधन केंद्राचे नांव | गवत संशोधन योजना, मफुकृवि, राहुरी |
| जमिन | मध्यम ते भारी, उत्तम निच-याची, पी.एच. ६.५ ते ८.५ |
| हवामान | खरीप व उन्हाळी हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | खरीप हंगाम : जुन ते ऑगस्ट, उन्हाळी हंगाम : फेब्रुवारी ते मार्च लागवड आंतर : ९०-६० सें.मी. सरी वरंबा |
| प्रती एकर बियाणे | ठोंबे : ७४००/एकरी |
| पिकाचा कालावधी | बहुवर्षीक (३ वर्ष) पहिली कापणी लागवडी नंतर ६० ते ७० दिवसानी व त्या नंतरच्या कापण्या ४५ ते ५० दिवसांच्या आंतराने कराव्यात. |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : ५००-६०० किंवं/एकर/वर्ष (६ ते ८ कापण्या) |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | हिरवीगर, मजु, रुंद लांब पाने व भरपुर फुटवे, प्रथिने : ९-१० %, कमी ऑकझॅलीक आम्ल : २.०५%, पचनीयता : ५६.०८% |
| विशेष उपलब्धी | महाराष्ट्रातील बागायत भागसाठी शिफारस |

ओट - फुले सुरभि



| | |
|---------------------------------|--|
| प्रसारीत वर्ष | २०१६ |
| संशोधन केंद्राचे नांव | महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ राहुरी |
| जमिन | मध्यम ते भारी, उत्तम निच-याची |
| हवामान | रब्बी हंगाम |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | रब्बी हंगाम : ऑक्टोबर ते नोव्हेंबर |
| प्रती एकर बियाणे | ४० किलो |
| पिकाचा कालावधी | ८५ ते ९० दिवस (चा-यासाठी) |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : ४५०-५०० किंवं/हेक्टर |
| वैशिष्ट्य/ गुणधर्म | उंच वाढणारे मध्यम पसरट खोड, रुंद गर्द हिरवी पाने, जाड खोड, ८.५ ते ९% प्रथिने |
| विशेष उपलब्धी | एक कापणी |



महात्मा फुले कृषि विद्यापीठ, राहुरी

विद्यापीठाने निर्मिती केलेले सुधारित व संकरीत वाणाबद्दल सर्व समावेशक व सविस्तर माहिती

मारवेल (जिरायत) – फुले मारवेल – १

| | | |
|---|---|-----------------------------------|
|  | प्रसारीत वर्ष | २०१७ |
| | संशोधन केंद्राचे नांव | गवत संशोधन योजना, मफुकृवि, राहुरी |
| | जमिन | हलकी ते मध्यम |
| | हवामान | खरीप |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | खरीप हंगाम : जुन ते ऑगस्ट | |
| प्रती एकर बियाणे | ठोंबे : ३०,०००/एकरी | |
| पिकाचा कालावधी | बहुवार्षीक ५०% पिक फुलो–यात असतांना कापणी करावी | |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : १६०–१८० किंवं/एकर/वर्ष (२ ते ३ कापण्या) | |
| वैशिष्ट्ये/ गुणधर्म | पावसाळी हगांमा मध्ये अधिक हिरव्या चा–याचे उत्पादन, प्रथिने : ६–७ %, पचनीयता : ४९ ते ५०% | |
| विशेष उपलब्धी | मध्य विभागातील (महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात व उत्तर प्रदेश) जिरायत भागातील कुरण विकासासाठी शिफारस | |

मद्रास अंजन – फुले मद्रास अंजन – १

| | | |
|---|---|-----------------------------------|
|  | प्रसारीत वर्ष | २०१७ |
| | संशोधन केंद्राचे नांव | गवत संशोधन योजना, मफुकृवि, राहुरी |
| | जमिन | हलकी ते मध्यम |
| | हवामान | खरीप |
| पेरणी / लागवडीचा कालावधी | खरीप हंगाम : जुन ते ऑगस्ट लागवड आंतर : ४५–३० सें.मी. | |
| प्रती एकर बियाणे | २ ते २.५ किलो/एकर किंवा ३०,००० ठोंबे/एकर | |
| पिकाचा कालावधी | बहुवार्षीक ५०% पिक फुलो–यात असतांना कापणी करावी | |
| उत्पादकता | हिरवा चारा उत्पादन : १६०–२०० किंवं/एकर/वर्ष (२ ते ३ कापण्या) | |
| वैशिष्ट्ये/ गुणधर्म | चांगल्या प्रतीचा चारा, प्रथिने : ६–७ %, पचनीयता : ५२% | |
| विशेष उपलब्धी | भारतातील उत्तर-पश्चिम (पंजाब व राजस्थान) व मध्य विभागातील (महाराष्ट्र, गुजरात व उत्तर प्रदेश) जिरायत भागातील कुरण विकासासाठी शिफारस | |